अनुक्रमांक..... मुद्रित पृष्ठों की संख्या.....12

नाम.....

901 **801**(JN)

2024

कक्षा–10 हिन्दी

(केवल प्रश्न-पत्र)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 70**

निर्देश–

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O. M. R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O. M. R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड–अ – बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न-1. निम्नलिखित में से शक्लोत्तर युग के लेखक हैं।

(क) वासुदेवशरण अग्रवाल
(ख) प्रतापनारायण मिश्र
(ग) किशोरीलाल
(घ) श्यामसुन्दर दास

प्रश्न-2. 'कंकाल' के लेखक है-

(क) जैनेन्द्र
(ख) यशपाल
(ग) प्रेमचन्द
(घ) जयशंकर प्रसाद

प्रश्न-3.'शुक्ल युग' के नाटककार निम्नलिखित में से कौन नहीं हैं?

(क) जयशंकर प्रसाद
(ख) डॉ० रामकुमार वर्मा
(ग) हरिकृष्ण प्रेमी
(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द

प्रश्न-4. प्रसिद्ध आत्मकथा 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के लेखक हैं-

(क) हरिवंशराय 'बच्चन'

(ख) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(ग) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

(घ) रामविलास शर्मा

प्रश्न-5.निम्नलिखित में से कौन प्रसिद्ध यात्रा साहित्यकार हैं?

(क) जयशंकर प्रसाद

(ख) प्रेमचन्द

(ग) राहुल सांकृत्यायन

(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रश्न-6.रीतिकाल के 'वीर रस' के प्रसिद्ध कवि है-

(क) देव

(ख) घनानंद

(ग) भूषण

(घ) बिहारी

प्रश्न-7.'ललित ललाम' के रचनाकार हैं-

(क) पद्माकर

(ख) देव

(ग) भूषण

(घ) मतिराम

प्रश्न-8.'प्रियप्रवास' किसकी रचना है?

(क) जयशंकर प्रसाद की

(ख) श्रीधर पाठक

(ग) सियारामशरण गुप्त

(घ) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

प्रश्न-9. 'राम की शक्ति पूजा' के रचनाकार है -

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ख) महादेवी वर्मा

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(घ) सुमित्रानंदन पंत

प्रश्न-10.निम्नलिखित में से कौन प्रगतिवादी युग का कवि नहीं हैं?

(क) नागार्जुन

(ख) त्रिलोचन

(ग) केदारनाथ अग्रवाल

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रश्न-11.'हास्य रस' का स्थायी भाव है-

(क) शोक

(ख) हास

(ग) रति

(घ) उत्साह

प्रश्न-12. नाना वाहन नाना बेषा, बिहसे सिव समाज निज देखा।
कोउ मुख हीन विपुल मुख काहू, बिनु पद-कर कोऊ बहु बाहू।।
उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा रस है?

(क) करूण रस

(ख) वीर रस

(ग) शान्त रस

(घ) हास्य रस

प्रश्न-13.''लिखकर लोहित लेख, डूब गया दिनमणि अहा।
व्योम सिन्धु सखि देख, तारक बुदबुद दे रहा।।''
उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त छंद है-

(क) रोला

(ख) दोहा

(ग) बरवै

(घ) सोरठा

प्रश्न-14.'उप' उपसर्ग से बना शब्द नहीं है-

(क) उपदेश

(ख) ऊपर

(ग) उपनाम

(घ) उपवन

प्रश्न-15.निम्नलिखित वाक्यों में से में संकेतवाचक वाक्य कौन सा है-

(क) बच्चा सो रहा है क्या?

(ख) आप गये तो हंगामा होगा।

(ग) वे समय से आ जायेंगे।

(घ) क्या वे हमें देख रहे होंगे?

प्रश्न-16.'त्रिवेणी' में कौन-सा समास है-

(क) द्वन्द्व

(ख) कर्मधारय

(ग) द्विगु

(घ) अवययीभाव

प्रश्न-17. निम्नलिखित में से 'गंगा' का पर्यायवाची नहीं है-

(क) भागीरथी

(ख) कालिन्दी

(ग) सुरसरिता

(घ) देवनदी

प्रश्न-18.'पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया' वाक्य वाच्य है-

(क) कर्मवाच्य

(ख) अकर्तृवाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) भाववाच्य

प्रश्न-19. पद किसे कहते हैं?

(क) वाक्य में आने वाले शब्द को पद कहते हैं।

(ख) शब्द को

(ग) अक्षर को

(घ) उपवाक्य को

प्रश्न-20.'तद्' (पुर्लिंग) शब्द का चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन में रूप क्या होगा?

(क) तान्

(ख) ताभ्याम्

(ग) तयोः

(घ) तस्य

वर्णनात्मक प्रश्न (खण्ड–ब)

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 3×2=06

बहुत से लोग तो इसे अपना बड़ा भारी दुर्भाग्य समझते, पर वह अच्छी तरह जानता था कि वहाँ वह बुरे लोगों की संगति में पड़ता, जो उसकी आध्यात्मिक उन्नति में बाधक होते। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनके घड़ीभर के साथ से भी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है; क्योंकि उनके ही बीच में ऐसी-ऐसी बातें कही जाती हैं जो कानों में न पड़नी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पड़ते हैं जिनसे उसकी पवित्रता का नाश होता है। बुराई अटल भाव धारण करके बैठती है। बुरी बातें हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती हैं। इस बात को प्रायः सभी लोग जानते हैं कि भद्दे व फूहड़ गीत जितनी जल्दी ध्यान पर चढ़ते हैं उतनी जल्दी कोई गम्भीर या अच्छी बात नहीं। उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

I. गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

II. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

III. आध्यात्मिक उन्नति के लिए क्या आवश्यक है?

अथवा

सुन्दर प्रतिमा, मनभावनी चाल और स्वच्छन्द प्रकृति ये ही दो-चार बातें देखकर मित्रता की जाती है, पर जीवन संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए। मित्र केवल उसे नहीं कहते जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें पर जिससे हम स्नेह न कर सकें, जिससे अपने छोटे-मोटे

काम तो हम निकालते जाएँ पर भीतर ही भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें, भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीतिपात्र बना सकें। हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए। ऐसी सहानुभूति जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे।

I. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

II. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

III. अच्छे मित्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

प्रश्न–2 दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 3×2=06

ऊधौ मन न भए दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग, को अवराधै ईस।।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंदनंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) उद्धव को किसके ईश्वर बताया गया है?

अथवा

निर्भय स्वागत करों मृत्यु का, मृत्यु एक है विश्राम स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है, धारणकर नवजीवन संबल
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें, श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है, काया रूपी वस्त्र बहाकर

i. उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
ii. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
iii. कवि ने मृत्यु की तुलना किससे की है?

प्रश्न-3 दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

एकदा बहवः जनाः धूमयानम् (रेल) आरुह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु केचित् ग्रामीणाः केचिच्च नागरिकाः आसन्। मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत् ''ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति। न तेषां विकासः अभवत् न च भवितुं शक्नोति। ''तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि चतुरः ग्रामीणः अब्रवीत्, ''भद्र नागरिक! भवान् एव किञ्चित् ब्रवीतु यतो हि भवान् शिक्षितः बहुज्ञः च अस्ति। 'इदम् आकर्ण्य स नागरिकः सदर्प ग्रीवाम् उन्नमय्य अकथयत्, ''कथयिष्यामि, परं पूर्वं समयः विधातव्यः।"

अथवा

एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव - जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः, विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति। एषा कर्मवीराणां संस्कृतिः। 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः 'इति अस्याः उद्घोषः। पूर्व कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृते नियमः। इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः। निरन्तरं कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यम्।

प्रश्न-4 दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

अथवा

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती तत्र सन्ततिः।।

प्रश्न–5 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए-

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। 3×1=03

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक 'जवाहरलाल नेहरू' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (आयोजन) का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पंचम षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–6 (क) दिए गये लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्रश्न–6 (ख) दिए गये कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=5

(i) महादेवी वर्मा

(ii) तुलसीदास

(iii) अशोक बाजपेयी

प्रश्न–7 अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक स्लोक लिखिए जा इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

प्रश्न–8 नगर मे खराब पड़े खेल के मैदान की मरम्मत हेतु मुख्य नगर अधिकारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा 4×1=04

ग्रीष्मावकाश की छुट्टियों में गाँव पर्यटन स्थल घूमने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखो।

प्रश्न–9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए। 1+1=02

(i) चन्द्रशेखरः कः आसीत्

(ii) नागरिकः किमर्थं लज्जितः अभवत्।

(iii) वैदेशिकाः किमर्थ वारणसीम् आगच्छन्ति?

(iv) 'सर्वे भवन्तु सुखिनः एषः दिव्यः सन्देशः कस्याः अस्ति?

प्रश्न–10 निम्नलिखित विषयों में सके किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए- 7

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) प्रदूषणः समस्या और समाधान

(iii) जनसंख्या नियंत्रण

(iv) विज्ञान के चमत्कार

♦♦♦